चौथी योजना के दौरान, देश मे इन वन-रोपण योजनाओं के अन्तर्गत लगभग 833.90 हजार हैक्टार क्षेत्र लाने का प्रस्ताव है ।

1966-67 से 1968-69 के तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य मे इन योजनाओ के अन्तर्गत, 68.35 हजार हैक्टार क्षेत्र मे पौद लगाये गये । चौथी योजना के दौरान, राज्य मे इस योजना के अन्तर्गत लगभग 148 हजार हैक्टार का क्षेत्र राज्य द्वारा लाया जायेगा ।

जहां तक भू-क्षरण का सम्बन्ध है, वनोन्मूलन और तत्पश्चात के समय, जब क्षेत्र अन्य कार्यों के लिये प्रयोग किये जाते है, सम्बन्धित राज्य वन विभाग साधारणत उचित कदम उठाते है ।

(ग) वन पौद बनाने के लिये, वन अस्थायी और मौसमी रोजगार के समाधनो की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध करते है । पौदरोपण योजनाओ म लगे कार्मिको की सख्या के सम्बन्ध मे राज्य वन विभागो ने कोई विशिष्ट अध्ययन अभी तक नही किये है । फिर भी, राज्य वन विभागो के मार्गदर्शन के लिये मन्त्रालय ने श्रम समाधनो के बारे मे अनुमान लगाये है । इन अनुमानो से पता चलता है कि पौदरोपण कार्यकलापो मे श्रम संसाधन काफी अधिक है । इसके अनुसार इस कार्य के लिये 146 6 लाख व्यक्तियो के श्रम का एक दिन प्रयोग किया, जो 1966-67 से 1968-69 की अवधि मे राज्यो और संघ क्षेत्रो द्वारा 442.60 हजार हैक्टार मे पौदरोपण करने के लिये 48,900 कार्मिको को पूर्णकालिक राजगार प्रदान करने के बराबर है ।

बेरोजगारी भत्ता

512 **श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट** . क्या श्रम तथा पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने बेरोजगार व्यक्तियों को बेरोजगारी भत्ता देने का कोई निर्णय किया है; और

(ख) यदि हा, तो यह भत्ता किस तारीख से दिया जायेगा तथा इस प्रयोजनार्थ क्या मापदण्ड अपनाये जायेगे ?

श्रम और पुनर्वास मत्री (श्री आर० के० खाडिलकर) (क) जी नही ।

(ख) सवाल पैदा नही होता ।

चीड़ उद्योग के उत्पादो का अध्ययन करने हेतु सम्मेलन

513 **श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट** . क्या कृषि मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या चीड़ उद्योग को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से अप्रैल, 1971 मे चीड़ उद्योग के उत्पादो का अध्ययन करने हेतु नई दिल्ली मे एक सम्मेलन आयोजित किया गया था ।

(ख) यदि हा, इस सम्मेलन मे भाग लेने वाले व्यक्तियो के क्या नाम है ;

(ग) क्या चीड उद्योग मे काम करने वाले व्यक्तियो को भी उक्त सम्मेलन मे आमन्त्रित किया गया था , और

(घ) उन्होने इस सम्बन्ध मे सरकार को क्या सुझाव दिये है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शेर सिंह): (क) बिरोजा तथा तारपीन के उत्पादको तथा परिसंस्करणकर्ताओ द्वारा, विज्ञान भवन, नई दिल्ली मे 13 तथा 14 अप्रैल, 1971 को एक विचार गोष्ठी प्रत्यायोजित की गई थी । भारतीय रसायन निर्माता सघ, भारतीय पेपर मिल संघ, भारतीय पेन्ट संघ आदि जैसे विभिन्न अखिल भारतीय संगठन इसके सह-प्रायोजक थे । विचार गोष्ठी का विषय 'भारत के आर्थिक तथा औद्योगिक विकास मे पाइन रेजिन की भूमिका' था ।

(ख) प्रायोजकों ने विचार गोष्ठी से सम्मिलित होने वाले व्यक्तियों की सूची प्रस्तुत की

है, जो कि सभा पटल पर रख दिया गया है। [ग्रन्थालय में रखा गया। देखिये सख्या L T—214/71]

(ग) पाइन रेजिन उद्योगो से सम्बन्धित सभी व्यक्तियो को आमन्त्रित करते हुए प्रायोजको द्वारा समाचार पत्रो के माध्यम से इस विचार गोष्ठी के सम्बन्ध म समुचित प्रचार किया गया था।

(घ) विचार गोष्ठी को तीन अधिवेशनो म विभाजित किया गया था —

अधिवेशन I भारत म पाइन रेजिन का इतिहास, विकास तथा भविष्य,

अधिवेशन II बिरोजा का उपयोग, बिरोजा यौगिको का विकास तथा उसके उपभोक्ता उद्योग, और

अधिवेशन III तारपीन का उपयोग तथा तारपीन के सघटको से औद्योगिक उपयोग के लिये तारपीन (टेरपीन) यौगिको का विकास।

विचार गोष्ठी के आयोजको मे सरकार द्वारा अभी तक कोई सुझाव नही प्राप्त हुए है।

Distribution of Iron and Steel in Kerala

514. SHRI M K KRISHNAN Will the Minister of STEEL AND MINES (ISPAT AUR KHAN MANTRI) be pleased to state

(a) whether Government propose to supply iron and steel to the small-scale industries in Kerala at controlled price,

(b) whether Government have received any memorandum from the small scale industrialists in this regard, and

(c) if so, the details thereof ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA MEN RAJYA MANTRI) (SHRI SHAH NAWAZ KHAN) (a) All items of iron and steel are sold by the main producers throughout the country, including the State of Kerala, at uniform prices fixed by the Joint Plant Committee Small quantities of steel material-less than a wagon load are distributed at regulated uniform prices through the stockyards of the main producers spread over the country In Kerala there is a stockyard each of HSL and TISCO at Cochin, which cater to the requirements of the actual consumers in Small Scale Sector in that State

(b) No, Sir

(c) Does not arise

राष्ट्रीय खनिज विकास निगम द्वारा बेलाडिला मे पेलेटाइजेशन सयत्र की स्थापना

515 **श्री जगन्नाथ राव जोशी** क्या **इस्पात और खान** मत्री यह बताने की कृपा करेगे कि

(क) क्या बेलाडिला लोह अयस्क परियोजना से बहुत अधिक मात्रा मे लोह अयस्क सूक्ष्म प्राप्त हुए है,

(ख) क्या इस समय इन का किसी प्रकार का उपयोग नही हो रहा है,

(ग) क्या उक्त सूक्ष्मो के आधार पर बेलाडिला म पेलेटाइजेशन सयत्र की स्थापना करने का प्रस्ताव राष्ट्रीय खनिज विकास निगम के विचाराधीन है, और

(घ) यदि हा, तो यह प्रस्ताव इस समय किस अवस्था पर है और कब तक इसे स्थापित किया जायेगा ?

इस्पात और खान मंत्रालय मे राज्य मत्री (श्री शाहनवाज खां) (क) से (ख). जी हा, इन सूक्ष्मो को भविष्य मे प्रयोग के लिए पृथकत भण्डारित किया जा रहा है। इन सूक्ष्मो पर आधारित पेलटीकरण सयत्र की स्थापना के लिए साध्यता अध्ययन का सूत्रपात किया गया है। आशा की जाती है कि साध्यता अध्ययन शीघ्र ही समाप्त हो